डॉ० कविता कुमारी सिंह
'हिन्दी विभाग'

<u>आधुनिक काल</u> — हिन्दी साहित्येतिहास का अंतिम कालखण्ड आधुनिक काल के नाम जाना जाता है। आधुनिक शब्द दो अर्थों की ओर संकेत में प्रयुक्त हुए हैं। एक है मध्यकाल से भिन्नता और दूसरा है इहलौकिक दृष्टिकोण। मध्यकाल अपनी अतिशय, जड़ता और रूढ़िवादिता के कारण विचार और रुद्ध हो चुका था। 1857 का विद्रोह मध्ययुग की जड़ता की समाप्ति और आधुनिक युग के आरम्भ का उद्घोष था। सामन्तवादी शक्तियाँ अपनी सारी शक्ति

लगाकर समाप्त हो गईं और देश के प्रबुद्ध वर्ग ने नये सिरे से सोचना आरम्भ किया। इसी प्रकार रीतिकाल में साहित्य अपने काव्य और शैली की दृष्टि से रुद्ध हो चुका था। आधुनिक काल ने इस जड़ता को खंडित किया और जीवन की धारा विविध स्रोतों में फूट निकली। साहित्य मनुष्य के सुख-दुःख के साथ जुड़ गया।

आधुनिक युग में सोचने-विचारने का दृष्टिकोण सांसारिक हो गया और धर्म, दर्शन, साहित्य, चित्र आदि के प्रति

[illegible]

... को ... विभाजित किया गया।

आज साहित्य को ... प्रथम, द्वितीय और इसी क्रम तीन [illegible] किया गया है। काव्य अथवा तृतीय में विभाजित किया गया है — पुरानी और नयी काव्यधारा। में भी दो प्रकार हैं — पुरानी और नयी काव्यधारा को आज अन्य की तरह इनमें भी नयी काव्यधारा को तीन उदाहरण हैं। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के इस विभाजन में एकरूपता और समानता का अभाव है। ये स्वतंत्र रचनाओं से अलग प्रतीत होते हैं।

उदाहरणार्थ काव्य-खण्ड के दूसरे प्रकरण के तृतीय उत्थान (छायावाद) तथा गद्यखण्ड के द्वितीय प्रकरण के तृतीय उत्थान में एकरूपता नहीं है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने इस कालखण्ड को "गद्यखण्ड" कहा है। यह सही है कि आधुनिक तकनीकों तकनिकों के कारण इस युग में गद्य साहित्य तेजी से विकसित हुआ और खासकर प्रेस ने साहित्य को प्रजातांत्रिक रूप दिया। समाचार पत्र, उपन्यास, आधुनिक ढंग के निबन्ध, कहानियाँ, प्रेस के प्रचार के बाद ही तेजी से आगे बढ़ीं। पर इस युग का नाम अगर 'गद्य काल"

गुरुवार 10

रख दिया जाय, तो वह काव्य प्रवृत्ति बिलकुल छूट जायेगी, जो आधुनिक विचारों से ओत-प्रोत है। इसलिए हमें इस काल को आधुनिक काल नाम ही अधिक उचित प्रतीत होता है। आधुनिक काल को भी कई कालखण्डों में विभाजित किया जा सकता है, जैसे :—

1. पुनर्जागरण काल — 1857–1900 ई०
2. जागरण सुधारकाल (द्विवेदीकाल) – 1900–1918
3. छायावाद काल — 1918–1936 ई०
4. छायावादोत्तर काल —